GLORIOUS-55

2017

भारतीय कृषि-पीसीएस परीक्षा के लिए रामबाण

शिव कुमार सिंह

शिव कुमार

भारतीय कृषि

भारत शुरू से ही कृषि प्रधान देश रहा है, फिर भी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान स्वतंत्रता के उपरान्त लगातार घट रहा है।

कृषि का सकल घरेलू उत्पाद (जी0डी0पी0) में योगदान

वर्ष	जी0डी0पी0 में योगदान
1950–51	55.40 प्रतिशत
2006–07	17.40 प्रतिशत
2007–08	16.80 प्रतिशत
2009–10	14.60 प्रतिशत

- ❖ भारत में कृषि संगणना सर्वप्रथम **1970–71 में** शुरू हुई थी, तब से प्रत्येक 05 वर्ष पर यह जनगणना होती है।
- ❖ वर्तमान में संदर्भ वर्ष 2010–11 देश की नवीं कृषि संगणना है।
- ❖ कृषि संगणना पर अखिल भारतीय रिपोर्ट जारी किया जाता है– **कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा।**

कृषि संगणना में क्रियाशील जोतों का वर्गीकरण	
श्रेणी	**परिचालित क्षेत्र/क्षेत्रफल**
सीमान्त जोत	1.00 हेक्टेयर से कम
लघु जोत	1.00 से 2.00 हेक्टेयर
अर्द्ध–मध्यम जोत	2.00 से 4.00 हेक्टेयर
मध्यम जोत	4.00 से 10.00 हेक्टेयर
वृहद जोत	10.00 हेक्टेयर या इससे अधिक

उत्तर प्रदेश में नवीनतम् कृषि संगणना के अनुसार जोतों का औसत आकार	
श्रेणी	**औसत आकार**
सीमान्त जोत	0.39 हेक्टेयर
लघु जोत	1.40 हेक्टेयर
अर्द्ध–मध्यम जोत	2.72 हेक्टेयर
मध्यम जोत	5.52 हेक्टेयर
वृहद जोत	15.01 हेक्टेयर

खेती के विभिन्न प्रकार :–

(1) मिश्रित खेती (मिक्स्ड फारमिन)–इसमें फसलों के उत्पादन के साथ–साथ पशु–पालन भी किया जाता है।

(2) **बहुसंस्यन खेती (मल्टीपल क्रापिंग)** – इसमें साल भर में 03 से 04 फसले उगाई जाती हैं।

(3) **मिश्रित कृषि (मिक्स्ड क्रापिंग)** – जब किसी खेत में दो या दो से अधिक फसलें एकसाथ उगाई जाती हैं, जो उसे मिश्रित फसलें कहते हैं।

(4) **समोच्च खेती (कन्टूर क्रापिंग)–** ढाल पर समान ऊँचाई पर ढाल के विपरीत खेती करना।

(5) **गली खेती (अले क्रापिंग)–** जब कृषि फसलों को गलियारे या रास्ते के बीच उगाया जाता है।

(6) **अनुपद खेती (रिले क्रापिंग)–** इसमें पूर्ववर्ती फसल के कटने से पहले ही आगामी फसल को लगा दिया जाता है। ध्यान देने योग्य तथ्य यह है कि दोनों फसलों के बीच प्रतियोगिता शून्य होती है। उदाहरण–मूँग–मक्का–आलू–गेंहूँ

(7) **क्रमवार कृषि या सतत् कृषि –** किसी खेत में एक वर्ष में दो या दो से अधिक फसलों को शीघ्र क्रम में उगाना ही सतत् सस्यन कहलाता है। उदाहरण–मक्का की कटाई के तुरन्त बाद आलू को लगाना व आलू को खोदकर निकालने के बाद तुरन्त मिर्चे का लगाना।

नोट :– इसमें दो से या अधिक फसलों में अति ओवरलैपिंग नहीं होती है।

(8) **शुष्क कृषि :–** 75प्रतिशत से कम वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र में फसलों का उत्पादन ही शुष्क खेती कहलाता है।

ऋतुओं के आधार पर फसलें :–

फसलें	**बुआई**	**कटाई**	**प्रमुख फसलें**
रबी	अक्टूबर–नवम्बर	मार्च–अप्रैल	गेंहूँ, जौ, चना, मटर, सरसो, मसूर, आलू, तम्बाकू
खरीफ	जून–जुलाई	अक्टूबर–नवम्बर	चावल, ज्वार, बाजरा, मक्का, मूँगफली, कपास, सोयाबीन, गन्ना, अरहर
जायद	मार्च	जुलाई	तरबूज, खरबूज, ककड़ी, खीरा, भिण्डी, सूरजमुखी

जीवन चक्र के आधार पर फसलें :–

एकवर्षीय फसलें	गेंहूँ, धान, सरसो, मूँगफली, कपास, लौकी, मूँग, सरसो, आलू
द्विवषीय फसलें	चुकन्दर, मूली, प्याज, फूलगोभी, पातगोभी

- ❖ **गेंहूँ –** रबी की फसल।
- ❖ **मैकरोनी गेंहूँ–** सूखा प्रभावित क्षेत्रों हेतु।
- ❖ **नोरीन–10 –** गेंहूँ के बौनेपन की प्रजाति।

सिंचित क्षेत्रों हेतु उपयुक्त गेंहूँ की किस्में	**असिंचित/शुष्क क्षेत्रों हेतु उपयुक्त गेंहूँ की किस्में**
❖ कल्याण सोना	❖ प्रताप

❖ सोनारा 63, सोनारा 64	❖ नर्मदा–4, नर्मदा–112
❖ माया 64	❖ मेघदूत
❖ सोनालिका–यह बौनी किस्म है।	❖ मुक्ता
❖ अर्जुन	
❖ जनक	
❖ शेरा	
❖ मालवीय–12, मालवीय–37	
❖ जयराज	
❖ गिरिजा–यह 5000 फूट की ऊँचाई पर भी उगाई जा सकती है।	
❖ शैलजा	

नोट :– विश्व में गेंहूँ उत्पादन में भारत का स्थान– **दूसरा**

गेंहूँ उत्पादन में विश्व में पहला स्थान –**चीन का है।**

भारत में सर्वाधिक गेंहूँ उत्पादक वाले राज्य–

(1) उत्तर प्रदेश, (2) पंजाब, (3) मध्य प्रदेश

गेंहूँ से सम्बन्धित प्रमुख तथ्य :–

- ❖ **ट्रिटिकेल–** गेंहूँ एवं राई के मध्य संकर का प्रतिफल है।
- ❖ गेंहूँ हेतु उपयुक्त मिट्टी **– दोमट**
- ❖ गेंहूँ की सिंचाई हेतु अति महत्वपूर्ण/क्रान्तिक अवस्था है**– ताज निकलने की अवस्था में।**
- ❖ गेंहूँ में होने वाले रोग–**रस्ट (पिट्ट)**
- ❖ उत्तर प्रदेश के दक्षिणी पठारी क्षेत्र में गेंहूँ की खेती नहीं की जाती है।
- ❖ सल्फर का प्रयोग गेंहूँ की उत्पादकता व उसमें प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने हेतु की जाती है।
- ❖ मैग्नीशियम का प्रयोग गंगा के मैदानी भागों हेतु आवश्यक है।
- ❖ बोरान का प्रयोग पूर्वी और सुदूर–पूर्वी क्षेत्रों हेतु आवश्यक है।
- ❖ गेंहूँ में ग्रूटीन नाइट्रोजन के रूप में पायी जाती है।
- ❖ शुष्क भार के आधार पर गेंहूँ में फास्फोरस की मात्रा 01 प्रतिशत।
- ❖ फास्फोरस की कमी से श्वसन क्रिया मन्द हो जाती है, पौधों के दाने छोटे होते हैं।
- ❖ गेंहूँ में अनावृत्त कण्ड रोग होता है– **कवक से**।
- ❖ हिलबण्ट रोग सम्बन्धित है– **गेंहूँ से–** यह कवक द्वारा होता है।
- ❖ करनाल बण्ट– **गेंहूँ का कैंसर रोग –** कवक द्वारा, जिसका नाम नियोशिया इडिका है।
- ❖ गेंहूँ का सेहूँ रोग होता है– **नेमाटोड द्वारा**
- ❖ गेंहूँ का पीला विगलन रोग–**जीवाणु द्वारा**
- ❖ एग्रोसन जीयन का प्रयोग किया जाता है– **करनाल बण्ट की रोकथाम हेतु**

चावल :– खरीफ की फसल।

चावल की किस्में	उगाने का समय	बोने का समय	काटने का समय
अमन	जाड़े के फसल	जून–जुलाई	नवम्बर–दिसम्बर
ओस / कार	शरद की फसल	मई–जून	सितम्बर–अक्टूबर
बोरो / दलूव	ग्रीष्मकालीन फसल	नवम्बर–दिसम्बर	मार्च–अप्रैल

चावल की प्रमुख किस्में–

जमुना	करूणा	जया	कृष्णा	कावेरी	पद्मा	अन्नपूर्णा	रत्ना
सोना मसूरी	लक्ष्मी भोग	हसनसराई	हंसराज	अम्बेमोहर	मलिन्जा	लूनीश्री	

धान की लम्बी प्रजाति	धान की बौनी प्रजाति	धान की सूखा अवरोधी प्रजातियॉ
❖ काशी ❖ सुधा ❖ साकेतबुन्देला	❖ गोविन्द प्रसाद ❖ बाला सरस्वती ❖ जयन्ती ❖ सोना ❖ जया ❖ कृष्णविजय ❖ जागृति ❖ जगन्नाथ ❖ पंकज	❖ नगीना–22 ❖ बाला ❖ कावेरी

नोट :–

- ✓ पूसा सुगन्धा–5 – धान की सुगन्धित किस्म।
- ✓ बारानी द्वीप, नरेन्द्र शंकर, लालमती–धान की अन्य किस्में।
- ✓ धान हेतु प्रमुख जैव उर्वरक–नील हरित शैवाल, एजोला।

उत्पादन :– विश्व में चावल उत्पादक प्रमुख देश – (1) चीन, (2) भारत।

भारत में चावल उत्पादक प्रमुख राज्य–(1) पश्चिम बंगाल, (2) उत्तर प्रदेश, (3) आंध्र प्रदेश, (4) पंजाब

- ❖ गोल्डेन राइस में बीटा कैरोटीन पाया जाता है।
- ❖ चावल मुख्यत स्त्रोत है– कार्बोहाइड्रेट का (स्टार्च का)
- ❖ चावल में पाया जाता है–एमाइलोज व एमाइलोपेक्टीन

चावल में होने वाले प्रमुख रोगः–

- ❖ कालमिज
- ❖ लीफरोलर
- ❖ धान का बंका कीट
- ❖ धान का झुलसा रोग
- ❖ सहसामारी रोग (ब्लास्ट)

❖ ब्राउन स्पॉट

नोट :– ब्राउन स्पॉट के कारण 1943 में बंगाल में भयानक अकाल पड़ा था।

ब्राउन स्पॉट रोग रोधी किस्में–

1. कृष्णा
2. साबरमती
3. आई0आर0–24

❖ फाल्स स्मट (झूठा कण्डुआ रोग)–कवक द्वारा होता है।

❖ खैरा रोग–यह जिंक की कमी से होता है। इसका प्रकोप भारत में तराई वाले क्षेत्रों में देखने को मिलती है। इसके रोकथाम के लिए जिंक सल्फेट का प्रयोग किया जाता है।

❖ **संयुक्त राष्ट्र** ने वर्ष 2014 को अन्तर्राष्ट्रीय चावल वर्ष के रूप में मनाया था।

❖ केन्द्रीय धान अनुसंधान संस्थान अवस्थित है– **कटक (उड़ीसा) में।**

❖ **लूनीश्री** धान की अत्यधिक उत्पादन देने वाली प्रजाति है।

❖ चावल की धुलने पर/पॉलीश करने पर विटामिन– B_1 (थायमिन) नष्ट हो जाता है।

नोट :– विटामिन B_1 की कमी से बेरी–बेरी रोग होता है।

❖ सुगन्ध है– पूसा 1460 का ब्राण्ड नेम (चावल की किस्म है)

❖ बासमती धान का उत्पादन सबसे अधिक **उत्तराखण्ड** में होता है।

❖ दियारा भूमि क्षेत्र होती है– **नदी के किनारे वाला क्षेत्र, जहॉ प्रतिवर्ष बाढ़ का पानी आता है।**

❖ **रेणु,** ऊॅचीभूमियों के लिए उपयुक्त धान की किस्म है।

❖ केन्द्रीय उपोषणीय उद्यान संस्थान – **लखनऊ।**

❖ राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबन्धन अकादमी– **हैदराबाद।**

मक्का

❖ भारत में मक्के की खेती पूरे वर्ष होती है।

❖ मक्के का प्रयोग जैव ईंधन के रूप में होता है।

❖ मक्के का सर्वाधिक उत्पादक राज्य – **(1) आन्ध्र प्रदेश, (2) कर्नाटक।**

❖ मक्के में कार्बोहाइड्रेट लगभग **80 प्रतिशत** होता है।

❖ मक्का में फूल **एकलिंगीय** होता है।

❖ मक्का के लिए सर्वाधिक उपयुक्त मृदा है–**दोमट मिट्टी**

❖ उत्तर भारत में मक्के की खेती खरीफ में।

❖ दक्षिण भारत में मक्के की बुआई **अप्रैल तथा अक्टूबर** में होती है।

❖ रबी में मक्के की खेती **बिहार** में होती है। यहॉ पर मक्के की एक किस्म **लक्ष्मी** उगाई जाती है।

❖ शक्तिमान–1, शक्तिमान–2 प्रजाति है– **मक्के की**

❖ मक्के का उत्पत्ति स्थल– **दक्षिण अफ्रीका।**

❖ मक्का **C–4** पौधा है।

❖ कुल मोटे अनाज का सर्वाधिक उत्पादक राज्य – **1–कर्नाटक, 2–राजस्थान**

मक्के में होने वाले रोग–

1. पर्ण अंगमारी (लीफ ब्लाइट)
2. स्टाक रूट–कवक द्वारा
3. मुजैक
4. मृदरोमिल आसिता रोग

मक्के की प्रजाति				
गंगा–2	गंगा–5	गंगा–1	संगम	रंजीत
दक्कन	जवाहर	विक्रम	लक्ष्मी	सोना
कंचन	किसान	विजय	अम्बर	प्रोटीन
रत्ना	शक्ति	तरूण	प्रताप	दक्कन

नोट :– दक्षिण भारत के लिए रंजीत तथा दक्कन किस्में उपयुक्त हैं। दक्कन किस्म की खेती रबी और खरीफ दोनों समय में की जाती है।

- ❖ मक्का में ओपाक–2 तथा फ्लोरी–2 पाया जाता है।
- ❖ मक्के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान–(1)अमेरिका, (2) चीन, (3) ब्राजील
- ❖ मक्का उत्पादन में भारत का स्थान– **आठवॉ**

सरसो

❖ सरसो के उत्पादन में भारत में प्रथम स्थान – **राजस्थान** व दूसरा स्थान– **मध्य प्रदेश**

❖ उत्तर प्रदेश में सरसो उत्पादन में प्रथम जिला–**आगरा**

सरसो की प्रजाति				
पूसा तारक	पूसा बोल्ड	पूसा आदित्य	पूसा विजय	संगम
वरदान	वैभव	शेखर	दुर्गामणि	क्रान्ति
प्रकाश	वरूणा (राई की किस्म)	सुफला	पूसा कल्याणी	पूसा जय किसान
पूसा बारानी	जी0एम0–3	पिताम्बरी		

सरसो में होने वाले रोग–

1. मोयला
2. झूलसा तथा सफेद रोली
3. छछाया रोग
4. गेरूई रोग

नोट :– प्रथम विश्व युद्ध के दौरान सरसो के तेल से विनाशकारी गैस का निर्माण किया गया था, जिसका नाम था– **मस्टर्ड गैस।**

प्रजाति	**उपयुक्त**
वरूणा	सिंचित एवं असिंचित दोनों दशाओं हेतु उपयुक्त
वरदान	असिंचित दशा हेतु उपयुक्त
नरेन्द्र–85	लवणीय भूमि हेतु उपयुक्त

मूॅगफली

❖ मूॅगफली **खरीफ की** फसल है।

❖ मूँगफली के फसल हेतु **जिप्सम** की आवश्यकता पड़ती है।

❖ मूँगफली का उत्पत्ति स्थल – **ब्राजील**

❖ **मूँगफली उत्पादक अग्रणी राज्य–**

1. गुजरात
2. आंध्र प्रदेश
3. तमिलनाडु

❖ पेगिंग– **मूँगफली की फसल से जुड़ी एक प्रक्रिया है।**

मूँगफली की प्रजातियाँ		
चित्रा–64	चन्द्रा	कौशल
धीरज–101	जी0जी0–20	के0–6

मूँगफली में होने वाले रोग		
अगेती पर्ण चित्ती	पछेती पर्ण चित्ती	किट्ट रोग

अरहर

❖ अरहर के फल को **Pods** कहते हैं।

अरहर की प्रमुख किस्में				
प्रभात	पूसा अगेती	शारदा	मुक्ता	लक्ष्मी
खुरगौन	आशा	बहार–1228		

अरहर में होने वाले प्रमुख रोग :–

1. उकठा रोग– कवक द्वारा
2. बॉझपन रोग–सफेद मक्खी द्वारा
3. कैंकर रोग
4. पीला मोजैक रोग–कवक द्वारा

❖ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान– **कानपुर**

❖ दलहनी फसलों हेतु **एनपीके** का अनुपात होना चाहिए–**1:2:1**

❖ **प्रभात–**सबसे पहले पकने वाली किस्म।

❖ बहार किस्म है–**अरहर की।**

❖ अरहर उत्पादन में शीर्ष तीन राज्य– **1–महाराष्ट्र, 2–मध्य प्रदेश, 3–कर्नाटक**

❖ **भारत** विश्व में दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक है।

चना

❖ चना का जन्म स्थान– **दक्षिणी पूर्वी यूरोप, दक्षिणी पूर्वी एशिया**

❖ बुआई का समय– 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक

चने की किस्में				
जवाहर	उज्जैन	अतुल	अजय	राधे

गौरव	पन्त–10	गिरनार		

चने की फसल में लगने वाले रोग :–

1. उकठा रोग– कवक के कारण
2. अंगमारी झूलसा रोग
3. ध्वजकण्ड
4. शुष्क विगलन

चने से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य :–

- ❖ चने में 61.5 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट तथा 21 प्रतिशत प्रोटीन होती है।
- ❖ चना उत्पादन में पहला स्थान **मध्य प्रदेश,** दूसरा **महाराष्ट्र।**
- ❖ चने की पत्तियों में हल्की खटास का कारण–**आक्जेलिक अम्ल तथा मौलिक अम्ल**
- ❖ उत्तर प्रदेश में चने उत्पादन में प्रथम स्थान–**जिला–हमीरपुर**
- ❖ चने की जड़ों में पाई जाती है– **राइजोबियन नामक जीवाणु**

सूरजमुखी

- ❖ सूरजमुखी का जन्म स्थान–**मैक्सिको व उत्तरी अमेरिका**
- ❖ भारत में सूरजमुखी के उत्पादन में पहला स्थान–**कर्नाटक और** दूसरा–**आंध्र प्रदेश**
- ❖ सूरजमुखी की खेती **रबी, खरीफ तथा जायद** तीनों मौसम में की जा सकती है।
- ❖ सूरजमुखी के तेल में पाया जाता है– **लाइनोलिक अम्ल**

सूरजमुखी की किस्में	
पेरेडोबिक	बनीमिक

सूरजमुखी में होने वाले रोग :–

1. चारकोल राट– कवक द्वारा
2. उकठा रोग

सोयाबीन

सोयाबीन उत्पादक प्रमुख राज्य		
1–मध्य प्रदेश	2–महाराष्ट्र	3–राजस्थान

कुल 09 तिलहन उत्पादक अग्रणी राज्य हैं		
1–गुजरात	2–मध्य प्रदेश	3–राजस्थान

शिव कुमार सिंह

<u>नकदी फसलें</u>

1. कपास
2. गन्ना
3. जूट
4. तम्बाकू
5. तिलहन आदि

<u>गन्ना</u>

- ❖ गन्ना की उत्पत्ति स्थल– **न्यूगिनी**
- ❖ गन्ना एक उष्णकटिबन्धीय पौधा है।

गन्ना उत्पादक 04 अग्रणी राज्य			
1– उत्तर प्रदेश	2– महाराष्ट्र	3– कर्नाटक	4– तमिलनाडु

- ❖ गन्ना उत्पादक राष्ट्र – (1) ब्राजील और (2) भारत
- ❖ चीनी उत्पादन में भारत का स्थान– **दूसरा,** ब्राजील का पहला है।
- ❖ गन्ना प्रजनन संस्थान–**कोयम्बटूर (तमिलनाडू)**
- ❖ भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान– **लखनऊ (उत्तर प्रदेश)**
- ❖ भारतीय चीनी अनुसंधान संस्थान– **कानपुर (उत्तर प्रदेश)**
- ❖ गन्ने की बीज को **क्रैरी ऑप्सस** कहते हैं।?
- ❖ पायरिल्ला किट सम्बन्धित है– गन्ना से।
- ❖ प्रथम चीनी मिल की स्थापना की गई– **1903 ई0 में देवरिया जिले के प्रताप पुर में (उत्तर प्रदेश)**
- ❖ विभिन्न फसलों हेतु सिंचित क्षेत्रों की प्रतिशतता–

गन्ना	94 प्रतिशत –देश में सर्वाधिक
गेंहूँ	92 प्रतिशत
चावल	58 प्रतिशत
तिलहन	25 प्रतिशत

गन्ने में लगने वाला रोग–

- ○ स्मट रोग
- ○ उकठा रोग
- ○ मोजैक रोग
- ○ लालधारी रोग
- ○ रेड रॉड– कवक द्वारा
- ○ हायर बर्न– गन्ने का पायरिला रोग

नोट :– C-4 पौधे हैं–

गन्ना
मक्का
बाजरा

कपास

❖ **काली मिट्टी** कपास के लिए सवार्धिक उपयुक्त होती है।
नोट :– काली मिट्टी में लोहा, चूना, पोटैशियम, मैग्नीशियम कार्बोनेट की अधिकता होती है। नाइट्रोजन, फास्फोरस और जैविक पदार्थ की कमी होती है।

कपास उत्पादक अग्रणी राज्य		
1–गुजरात	2–महाराष्ट्र	3–आंध्र प्रदेश

❖ श्वेत स्वर्ण कहा जाता है– **कपास को**

❖ कपास भारत का **देशज** पौधा है।

❖ कपास उत्पादक प्रमुख राष्ट्र– **1–चीन और 2–भारत**

❖ कपास उत्पादक (क्षेत्रफल के आधार पर) प्रमुख राष्ट्र– **1–भारत और 2–चीन**

उत्तर प्रदेश में कपास उत्पादक प्रमुख क्षेत्र–

1–गंगा–यमुदा द्वाब

2–रूहेलखण्ड

3–बुन्देलखण्ड

कपास की प्रमुख प्रजातियॉ		
देशी श्यामली	सुजाता	सुविन
महालक्ष्मी	प्रतापकापी	विकास
लोहित–यू0पी0के0	अकोला	

जूट

जूट उत्पादक प्रमुख राज्य		
पश्चिम बंगाल	बिहार	असम

तम्बाकू

तम्बाकू उत्पादक प्रमुख राज्य		
1–आंध्र प्रदेश	2–गुजरात	3–कर्नाटक

❖ टोपिंग (शीर्ष कर्तन)–तम्बाकू के पौधों की सबसे ऊपरी वाली दो पत्तियों को तोड़ने की प्रक्रिया।

❖ क्यूरिंग–तम्बाकू के पत्तियों को सुखाने की प्रक्रिया।

❖ विश्व में तम्बाकू का सबसे बड़ा उत्पादक एवं उपभोक्ता राष्ट्र– **चीन**

शिव कुमार सिंह

रेशम

❖ रेशम की पॉच किस्में भारत में पाई जाती हैं–

1. मलबरी
2. ओक टसर
3. उष्ण कटिबन्धीय टसर
4. इरी
5. मूँगा

कुल रेशम उत्पादक प्रमुख राज्य	
1–कर्नाटक	2–आंध्र प्रदेश

❖ कर्नाटक, **शहतूत रेशम** का अग्रणी राज्य है (43 प्रतिशत)

❖ असम, **मूँगा रेशम** का अग्रणी राज्य है (91 प्रतिशत)

❖ रेशमी वस्त्र उत्पादन में प्रथम राज्य – **कर्नाटक और** दूसरा–**असम**

❖ **रेशम का जीवनचक्र चार चरणों में पूर्ण होता है–**

अण्डा → **इल्ली** → **प्यूपा** → **शलभ**

❖ शहतूत (मलबरी) के अलावा रेशम के अन्य किस्मों को कहा जाता है– **वन्या**

❖ केन्द्रीय रेशम कीट पालन अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान–**मैसूर (कर्नाटक)**

❖ केन्द्रीय रेशम बोर्ड – **कर्नाटक**

❖ रेशम उत्पादन में **चीन** का प्रथम और **भारत** का दूसरा स्थान है।

रेशम	**प्रमुख क्षेत्र**
1. इरी	असम
2. शहतूती	कर्नाटक
3. मूँगा	असम
4. टसर	झारखण्ड

चाय

❖ चाय का उत्पत्ति केन्द्र– **चीन**

❖ आवश्यक मृदा चाय के उत्पादन हेतु– **लैटेराइट**

❖ चाय उत्पादन हेतु आवश्यक वर्षा तथा तापमान – 125 से 150सेमी, तापमान 21^0C से 27^0C

❖ भारत दुनिया में चाय का सबसे बड़ा उत्पादक तथा उपभोक्ता है।

❖ **चाय** संघीय सरकार के नियंत्रण के अधीन है।

❖ विश्व के महत्वपूर्ण चाय निर्यातक देश :–

1. केन्या
2. चीन
3. श्रीलंका

4. भारत

चाय उत्पादक प्रमुख राज्य	
1–असम	2–पश्चिम बंगाल

✓ चाय की किस्में– **ग्रीन गोल्ड**

कॉफी

- ❖ भारत में कॉफी सत्रहवीं शताब्दी में बाबा बदून द्वारा अरब से लाकर कर्नाटक बाबा बदून की पहाड़ी पर लगायी गयी।
- ❖ भारत में कॉफी की दो प्रमुख प्रकार हैं–
  1–अरेविका–सबसे उच्च कोटि का कहवा (कॉफी)
  2–रोबस्टा–देश में यह सर्वाधिक उत्पादित होता है।
- ❖ भारत में विश्व के कुल कॉफी उत्पादन का उत्पादन किया जाता है– 3.8 प्रतिशत
- ❖ कॉफी उत्पादक प्रमुख राज्य–
  1. कर्नाटक
  2. केरल
  3. तमिलनाडु
  4. आंध्र प्रदेश
- ❖ कॉफी का मूल स्थान–अबिसिनिया
- ❖ कॉफी निर्यात में भारत का योगदान–4.5 प्रतिशत (लगभग)

कॉफी की महत्वपूर्ण किस्में				
1–कावेरी	2–केन्टस	3–पेरिडोनिया		

- ❖ कॉफी उत्पादक शीर्ष राष्ट्र–

प्रथम	ब्राजील
द्वितीय	वियतनाम
तृतीय	कोलम्बिया

रबर

- ❖ सर्वप्रथम रबर की खेती प्रारम्भ की गयी– **लार्ड सैलिस बरी द्वारा**
- ❖ रबर का मूल स्थान– **दक्षिण अमेरिका (ब्राजील)**
- ❖ भारत में रबर उत्पादक राज्य–
  1. केरल
  2. तमिलनाडु
  3. कर्नाटक
- ❖ विश्व के प्रमुख रबर उत्पादक राष्ट्र–
  1. थाईलैण्ड

2. इण्डोनेशिया
3. मलेशिया
4. भारत

नोट :– भारत का विश्व में रबर उत्पादक स्थान है– **चौथा**

❖ भारत विश्व में रबर का **दूसरा** सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है।

<u>अन्य प्रमुख तथ्य</u>

❖ काजू उत्पादक प्रमुख राज्य–
1. महाराष्ट्र
2. आंध्र प्रदेश
3. ओडिशा

❖ नारियल उत्पादक प्रमुख राज्य–
1. तमिलनाडु
2. केरल
3. कर्नाटक

❖ आम उत्पादक प्रमुख राज्य–
1. उत्तर प्रदेश
2. आंध्र प्रदेश
3. कर्नाटक

आम से सम्बन्धित बन सकने योग्य प्रश्न
1. आम की बीज रहित प्रजाति– **सिंधु**
2. अल्फांसो आम पाया जाता है– **महाराष्ट्र में**
3. उत्तर प्रदेश में **स्टेम आम** का उत्पादन होता है– **सहारनपुर व मेरठ में**
4. पके आम में निम्न विटामिन पाया जाता है– **विटामिन A और विटामिन C**
5. आम की प्रमुख किस्में– ✓ आम्रपाली–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा विकसित। ✓ मल्लिका– भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा विकसित। ✓ आम्रपाली ⟶ दशहरी×नीलम – की संकर प्रजाति है। इसे किचन फसल के नाम से भी जाना जाता है। ✓ सिंधु ⟶ रत्ना × अल्फांसो – आम की बीजरहित प्रजाति। ✓ अरूणिका ⟶ आम्रपाली × वनराज ✓ निरंजन– बेमौसमी किस्म है। ✓ लंगड़ा–विटामिन **C** प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। ✓ नीलम–दक्षिण भारत में वर्ष में दो बार फल देती है। ✓ केसर ✓ गुलाब खास
6. आम में होने वाले रोग– ✓ गुच्छा ✓ स्पंजी ऊतक

✓ मिलीबाग–आम का प्रमुख हानिकारक कीट

❖ कुल फल उत्पादक अग्रणी राज्य–
1. आंध्र प्रदेश
2. महाराष्ट्र
3. गुजरात

❖ लिची उत्पादक अग्रणी राज्य–
1. बिहार
2. पश्चिम बंगाल
3. झारखण्ड

❖ आलू उत्पादक अग्रणी राज्य–
1. उत्तर प्रदेश
2. पश्चिम बंगाल
3. बिहार

❖ कुल सब्जी उत्पादक अग्रणी राज्य–
1. पश्चिम बंगाल
2. उत्तर प्रदेश
3. बिहार

❖ प्याज उत्पादक अग्रणी राज्य–
1. महाराष्ट्र
2. मध्य प्रदेश
3. कर्नाटक

❖ मसाला उत्पादक अग्रणी राज्य–
1. आंध्र प्रदेश
2. गुजरात
3. राजस्थान

नोट :– केरल को मसालो का बागान कहा जाता है क्योंकि यहॉ पर विविध प्रकार के मसाले उगाये जाते हैं।

<u>हरित क्रान्ति से सम्बन्धित प्रमुख तथ्य</u>

❖ हरित क्रान्ति का जनक कहा जाता है– **नार्मन अर्नेस्ट बोरलॉग**

❖ नार्मन अर्नेस्ट बोरलॉग को नोबल पुरस्कार, अमेरिकी राष्ट्रपति का मेडल ऑफ फ्रीडम तथा कांग्रेसनल गोल्ड मेडल तीनों प्राप्त हुआ है।

❖ नार्मन अर्नेस्ट बोरलॉग को **भारत का पद्मविभूषण** सम्मान भी प्राप्त हुआ है– **वर्ष 2006 में**

❖ भारत में हरित क्रान्ति का जनक – **डॉ0 एम0एस0 स्वामीनाथन्**

❖ भारत में हरित क्रान्ति का प्रारम्भ हुआ– **1966–67 ई0 में**

❖ हरित क्रान्ति शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किया– **विलियम गैड ने**

शिव कुमार सिंह

❖ भारत में द्वितीय हरित क्रान्ति जुड़ी हुई है– **उत्तरी–पूर्वी क्षेत्रों से**

प्रमुख क्रान्तियॉ

प्रमुख क्रान्तियॉ	**सम्बन्धित**
हरित क्रान्ति	फसलों के उत्पादन हेतु
श्वेत क्रान्ति	दूध उत्पादन
पीली क्रान्ति	तिलहन उत्पादन
लाल क्रान्ति	मॉस/टमाटर के उत्पादन
गुलाबी क्रान्ति	झींगा उत्पादन/प्याज उत्पादन
नीली क्रान्ति	मत्स्य उत्पादन
काली क्रान्ति	पेट्रोलियम, खनिज तेल
धूसर/भूरी क्रान्ति	उर्वरक उत्पादन
रजत क्रान्ति	अण्डा उत्पादन
सुनहरी क्रान्ति	बागवानी उत्पादन
इन्द्रधनुषी क्रान्ति	खाद्यान्न उत्पादन
ईवरग्रीन क्रान्ति	खाद्यान्न उत्पादन को दुगना करना

❖ भारत के कृषि पारिस्थितिकीय क्षेत्र (Agro Ecological Zone)– **20**

❖ भारत के कृषि जलवायु क्षेत्र (Agro Climatice Zone)– **15**

❖ उत्तर प्रदेश के कृषि जलवायु क्षेत्र– **09**

❖ उत्तर प्रदेश के कृषि पारिस्थितिकीय क्षेत्र – **20**

❖ सर्वप्रथम कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना– **1960ई0 में पन्तनगर (उत्तराखण्ड)**

फसल	**सम्बन्धित रोग**
1. गन्ना	रेड राट
2. धान	खैरा
3. अरहर	उकठा
4. आलू	झूलसा
5. बाजरा	अर्गट
6. मटर	बुकनी
7. बाजरा	हरितबाल

प्रमुख बोर्ड	**स्थल**
1. कॉफी बोर्ड	बंगलूरू (कर्नाटक)
2. रबर बोर्ड	कोट्टायम (केरल)
3. चाय बोर्ड	कोलकाता (प0बंगाल)
4. तम्बाकू बोर्ड	गुन्टूर (आन्ध्र प्रदेश)

❖ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन में शामिल फसलें–

1. चावल
2. गेंहूॅ
3. दलहन
4. मोटा अनाज

उत्तर प्रदेश से सम्बन्धित प्रमुख तथ्य

IIVR	वाराणसी
IIPR	कानपुर
IISR	लखनऊ
IIHR	बंगलूरू

- ✓ उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक चने का उत्पादन होता है– **बुन्देलखण्ड**
- ✓ सहारनपुर प्रसिद्ध है– **संतरे के उत्पादन व प्लाईवुड के कार्य के लिए**
- ✓ उत्तर प्रदेश की अफीम फैक्ट्री कही जाती है– **गाजीपुर को**
- ✓ कन्नौज प्रसिद्ध है– **इत्र के लिए**
- ✓ उत्तर प्रदेश में प्रमुख आलू निर्यातक जोन है– **आगरा**
- ✓ ऑवले का सर्वाधिक उत्पादन होता है– **प्रतापगढ़**
- ✓ लीची का सर्वाधिक उत्पादन– **सहारनपुर व मेरठ**
- ✓ उत्तर प्रदेश में कृषि निर्यातक क्षेत्र– **1–लखनऊ, 2–सहारनपुर, 3–आगरा**
- ✓ पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक है– **1–गोरखपुर, 2–मुजफ्फरनगर, 3–लखनऊ**
- ✓ प्रथम दुग्ध संघ की स्थापना – **लखनऊ में**
- ✓ उत्तर प्रदेश में सर्वप्रथम स्थापित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक–
- ✓ **1–गोरखपुर, 2–मुरादाबाद**
- ✓ उत्तर प्रदेश में आलू अनुसंधान केन्द्र– **मेरठ**
- ✓ उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद स्थापित– **1989 में लखनऊ में**
- ✓ राष्ट्रीय जैविक खेती केन्द्र– **गाजियाबाद**

❖ राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान– **कर्नाल (हरियाणा)**

❖ ऑपरेशन फ्लड योजना सम्बन्धित है– **दुग्ध उत्पादन से (1970–71 में प्रारम्भ)**

❖ राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की स्थापना – **आनन्द (गुजरात) में 1987 ई0 में**

❖ अंगोरा ऊन सम्बन्धित है– **बकरी से**

❖ **करिश्मा** – क्लोन भैंस से जन्मी कटड़ी

❖ मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का शुभारम्भ– **सूरतगढ़ (राजस्थान)**

❖ राष्ट्रीय हार्टिकल्चर मिशन का प्रारम्भ– **15 मई, 2005 (10वीं पंचवर्षीय योजना में)**

❖ राष्ट्रीय शुष्क बागवानी अनुसंधान केन्द्र की स्थापना– **7वीं पंचवर्षीय योजना में**

❖ व्यापक फसल बीमा योजना का शुभारम्भ– **01 अप्रैल, 1985 ई0**

❖ विशेष कृषि उपज योजना का सम्बन्ध है– **कृषि उत्पादों की निर्यात वृद्धि से (2004 से 2009)**

❖ **NABARD** की स्थापना–12 जुलाई, 1982 ई0

नोट :– इसका मुख्यालय मुम्बई में है व इसकी स्थापना (नाबार्ड) शिवरमन समिति की अनुशंसा पर की गयी है।

- ❖ NAFED की स्थापना– **02 अक्टूबर, 1985**
- ❖ TRIFED की स्थापना– **1987 (यह जनजातियों से सम्बन्धित है)**
- ❖ राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की स्थापना– **1963 ई0 में**
- ❖ **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक** की स्थापना– **1975 ई0 (नरसिंहम् समिति की सिफारिश पर की गयी)**
- ❖ सरकार कृषकों से कृषि उपज का क्रय जिस मूल्य पर करती है, उसे कहते हैं– **वसूली कीमत (Procurement Price)**
- ❖ सब्जी वाली फसलों के लिए बाजार होता है– **अति अल्पकालीक**
- ❖ किसान बही योजना प्रारम्भ की गयी– **1992ई0 में**
- ❖ तीसरी पंचवर्षीय योजना में कृषि की विकास दर ऋणात्मक रही।
- ❖ कृषि उत्पादों की मॉग स्थायीकत्वहीन है।
- ❖ केन्द्रीय खाद्य तकनीकी अनुसंधान संस्थान– **मैसूर**
- ❖ राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान– **जयपुर**
- ❖ प्रथम बौनी धान की प्रजाति– **जया**

दलहनी फसलों हेतु N:P:K	1:2:1
मोटे अनाज हेतु N:P:K	1:2:4

- ❖ भारतीय कृषि का इतिहास (पुस्तक)– **एम0एस0 रन्धावा**

ऑवले की प्रमुख किस्में		
कंचन	कृष्णा	बनारसी

- ❖ **पौधों में जल और खाद्य पदार्थों का प्रवाह–**

खाद्य पदार्थ/फूड का परिवहन	फ्लोएम द्वारा
जल का परिवहन	जाइलम द्वारा

- ❖ खाद्य प्रसंस्करण के जनक कहलाते हैं– **निकोलस एपर्ड**
- ❖ एशिया का सबसे बड़ा फल प्रोसेसिंग कारखाना है– **हिमाचल प्रदेश**
- ❖ भारत सरकार द्वारा फूड प्रोडक्ट्स ऑर्डर पास हुआ– **1955 ई0 में**
- ❖ राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी एवं प्रबन्धन संस्थान (निफ्टेम) – **कुण्डली, हरियाणा**
- ❖ फलों में अधिकतर शर्करा पायी जाती है– **फ्रक्टोज**
- ❖ भारत में खाद्य पदार्थों के प्रोसेसिंग हेतु स्थापित तीन गामा संयंत्र–

1. सोनीपत (हरियाणा)
2. अम्बरनाथ (महाराष्ट्र)

शिव कुमार सिंह

3. बड़ोदरा (गुजरात)

- ❖ फलों में पैक्टीन की मात्रा ज्ञात की जाती है– **जैली मीटर से**
- ❖ चीनी की सांद्रता ज्ञात की जाती है– **रिफ्रेक्टोमीटर**
- ❖ भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय स्थापित किया गया– **जुलाई, 1988 में**
- ❖ जैली बनाने के लिए उचित फल, जिसमें पैक्टीन व अम्ल दोनों पाये जाते हैं– **अमरूद**
- ❖ भारत में प्रथम फल एवं सब्जी प्रसंस्करण कारखाना स्थापित किया गया– **मैसूर, 1968 में**
- ❖ खाद्य एवं कृषि संगठन की स्थापना हुई– **1945 ई0 को रोम में**
- ❖ कैनिंग– **फल परिरक्षण की विधि**

बैगन की किस्में				
आजाद क्रान्ति	पन्त ऋतुराज	पंजाब चमकीला	पूसा क्रान्ति	हिसार जामुनी
टर्कानवनीत	पूसा अनमोल	अर्कानिधि	अर्काकेशव	पूसा उत्तर
पूसा उपकार	अरूण	पंजाब बहार		

भिण्डी की किस्में				
पूसा सावनी	सलेक्शन–2	पंजाब पद्मनी	काशी लालिमा	अर्का अनामिका
वर्षा उपहार				

गाजर की किस्में				
पूसा मेघाली	पूसा केसर	सलेक्शन–233	चैण्टनी	

मिर्च की किस्में				
पूसा ज्वाला	भाग्यलक्ष्मी	चंचल	काशी अनमोल	काशी विश्वनाथ
टोरेंज	अर्का गौरव	आंध्र ज्योति	अर्का बसन्त (शिमला मिर्च)	

लौकी की किस्में				
पंजाब कोमल	अर्का बहार	पूसा संकर	अर्का शीतल	पूसा मंजरी
पूसा मेघदूत				

टमाटर की किस्में				
पूसा रूबी (भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई	अंगूरलता (गृह वाटिका में उगाने हेतु सर्वोत्तम)	कल्याणपुर कुबेर (चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी	पूसा शीतल (कम तापमान पर भी फल बना लेती है)	पूसा गौरव (डिब्बा बन्द हेतु उपयुक्त टमाटर)

शिव कुमार सिंह

दिल्ली द्वारा विकसित)		विद्यालय, कानपुर द्वारा विकसित)		
म्ंगला	महावीर	गंगा	इन्द्रा	अर्का श्रेष्ठ
अर्का वरदान	अर्का आलोक	पंत बहार	हिसार ललित	रश्मि
पंजाब छुआरा	रंजनी	नवीन वैशाली		
हिसार अनमोल (टमाटर की विषाणुरोधी किस्म				

❖ टमाटर के फल **बोरॉन** की कमी से फटते हैं।

भारत में पंचवर्षीय योजना	समयावधि	विशेषताएँ
प्रथम	1951 से 1955	✓ हैवर डोमर समृद्धि मॉडल पर आधारित। ✓ मुख्य प्राथमिकता–कृषि एवं सिंचाई। ✓ सामुदायिक विकास कार्यक्रम–1952 एवं राष्ट्रीय प्रसार सेवा–1953 प्रारम्भ ✓ भाखड़ा नॉगल, दामोदर घाटी, हीराकुण्ड बहुद्देशीय परियोजना प्रारम्भ।
द्वितीय	1956 से 1961	✓ पी0सी0 महालनोबिस मॉडल पर आधारित ✓ राउरकेला–उड़ीसा ✓ भिलाई–छत्तीसगढ़ ✓ दुर्गापुर–पश्चिम बंगाल ✓ उक्त तीनों इस्पात संयंत्र हैं, जिसकी स्थापना इसी समय हुई।
तृतीय	1961 से 1966	✓ आत्मनिर्भर व स्वतः स्फूर्तवान अर्थव्यवस्था पर जोर। ✓ रूपये का अवमूल्यन किया गया। ✓ बोकारो–झारखण्ड–1964 में रूस के सहयोग से स्थापित ✓ भारतीय खाद्य निगम और कृषि कीमत आयोग की स्थापना।
नोट :– पहली, दूसरी और तीसरी पंचवर्षीय योजना में सरकार ने ट्रिकल डाउन थ्योरी का अनुसरण किया।		
तीन वार्षिक योजनाएँ	1966 से 1969	✓ योजना अवकाश की संज्ञा। ✓ 1969 में नारीमन समिति की सिफारिश के आधार पर लीड बैंक

शिव कुमार सिंह

		योजना की शुरूआत। ✓ 1966–67 के दौरान भारत में हरित क्रान्ति की शुरूआत।
चैथी	1969 से 1974	✓ स्थिरता के साथ आर्थिक विकास व आत्मनिर्भरता की अधिकाधिक प्राप्ति। ✓ यह डी0आर0 गाडगिल मॉडल पर आधारित। ✓ जुलाई, 1969 में 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण। ✓ 1969 में भारत द्वारा नाभिकीय परीक्षण, जिसे स्माइलिंग बुद्धा के नाम से जाना जाता है, किया गया। ✓ सुखा प्रवर कार्यक्रम की शुरूआत
पॅचवी	1974 से 1979	✓ गरीबी उन्मूलन के साथ आत्मनिर्भरता ✓ यह योजना डी0पी0 धर मॉडल पर आधारित। ✓ 1974 में न्यूनतम् आवश्यकता कार्यक्रम की शुरूआत। ✓ 02 अक्टूबर, 1975 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना ✓ खाद्य के बदले अनाज कार्यक्रम की शुरूआत–1977–78 ✓ अन्त्योदय योजना प्रारम्भ हुई–राजस्थान में
अनवरत योजना	1978 से 1980	✓ इसे रोलिंग प्लान भी कहते हैं। ✓ यह गुर्नार मिर्डल की अवधारणा पर आधारित। ✓ ट्राइसेम की शुरूआत–1979
छठवीं	1980 से 1985	✓ गरीबी को प्रति कैलोरी उपभोग के आधार पर परिभाषित किया गया। 2100 कैलोरी प्रतिदिन शहरी क्षेत्र में, 2400 कैलोरी प्रतिदिन ग्रामीण क्षेत्रों हेतु। ✓ डी0टी0 लकड़वाला मॉडल पर आधारित। ✓ 1980 में 06 बैंकों का राष्ट्रीयकरण ✓ 12 जुलाई, 1982 को **नाबार्ड** की स्थापना।
सातवीं	1985 से 1990	✓ समृद्धि आधुनिकीकरण, आत्मनिर्भरता और सामाजिक न्याय पर आधारित

शिव कुमार सिंह

		✓ 1988 में सेबी की स्थापना ✓ **प्रो0 राजा कृष्णा** ने 7वीं योजना को हिन्दू वृद्धि दर के रूप में वर्णित किया है
वार्षिक योजना	1990 से 1992	✓ 1990 में सिडबी की स्थापना। ✓ 1991 में उदारीकरण, निजीकरण व वैश्वीकरण की घोषणा **नोट :–** इस समय प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हा राव थे व वित्तमंत्री श्री मनमोहन सिंह थे।
टाठवीं	1992 से 1997	✓ मानव संसाधन का विकास ✓ यह योजना जॉन डब्ल्यू0 मिलर मॉडल पर आधारित। ✓ 01 जनवरी, 1995 को भारत विश्व व्यापार संगठन का सदस्य बना। ✓ प्रधानमंत्री रोजगार योजना 1993 प्रारम्भ।
न्वी	1997 से 2002	✓ सामाजिक न्याय और समानता के साथ आर्थिक संवृद्धि
छसवीं	2002 से 2007	✓ साक्षरत दर को 2007 तक 75 प्रतिशत तक पहुॅचाना। ✓ 2007 तक वानिकीकरण को 25 प्रतिशत तक और 2012 तक 33 प्रतिशत के स्तर पर पहुॅचाना
ग्यारहवीं	2007 से 2012	✓ तीव्रतर और अधिक समावेशी विकास
बरहवीं	2012 से 2017	✓ तीव्र सम्पोषणीय और अधिक समावेशी विकास

✓ किसान क्रेडिट कार्ड योजना–1998–99 से प्रारम्भ

✓ राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना– 1999–2000 से प्रारम्भ

✓ भारतीय रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण–01 जनवरी, 1949 ई0 को हुआ

✓ बहुद्देशीय सहकारी समिति की स्थापना– 1939 ई0 को उड़ीसा में

<u>भारत में ग्रामीण विकास के लिए चलाये गये विभिन्न कार्यक्रम</u>

1. फसल बीमा योजना– 1973
2. व्यापक फसल बीमा योजना– अप्रैल, 1985
3. राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना– 1999–2000
4. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना– 22 मई, 2007–2008
5. नई राष्ट्रीय बीज नीति–2002
6. भूदान आन्दोलन की शुरूआत– 15 अप्रैल, 1951
7. राष्ट्रीय कृषि नवीन प्रवर्तन परियोजना– जुलाई, 2006

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान, समतुल्य विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र, राष्ट्रीय ब्यूरो एवं निदेशालय/परियोजना

समतुल्य विश्वविद्यालय - 4

1. भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
2. भाकृअनुप- राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल
3. भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर
4. भाकृअनुप-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई

संस्थान - 62

1. भाकृअनुप-केन्द्रीय द्वीपीय अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर
2. भाकृअनुप-केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
3. भाकृअनुप-केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर
4. भाकृअनुप-केन्द्रीय अंतः स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर
5. भाकृअनुप-केन्द्रीय खारा जल जीवपालन अनुसंधान संस्थान, चैन्नई
6. भाकृअनुप-केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार
7. भाकृअनुप-केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदुम
8. भाकृअनुप-केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल
9. भाकृअनुप-केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर
10. भाकृअनुप-केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर
11. भाकृअनुप-केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोच्चि
12. भाकृअनुप-केन्द्रीय ताजा जल जीव पालन संस्थान, भुबनेश्वर
13. भाकृअनुप-केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुंबई

14. भाकृअनुप-केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ
15. भाकृअनुप-केन्द्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर
16. भाकृअनुप-केन्द्रीय कटाई उपरांत अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना
17. भाकृअनुप-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोच्चि
18. भाकृअनुप-केन्द्रीय रोपण फसलें अनुसंधान संस्थान, कासरगोड
19. भाकृअनुप-केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला
20. भाकृअनुप-केन्द्रीय जूट एवं संबद्ध रेशे अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर
21. भाकृअनुप-केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद
22. भाकृअनुप- राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक
23. भाकृअनुप-केन्द्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर
24. भाकृअनुप-केन्द्रीय मृदा और जल संरक्षण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून
25. भाकृअनुप-केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल
26. भाकृअनुप-केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजामुंद्री
27. भाकृअनुप-केन्द्रीय कंदीय फसलें अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम
28. भाकृअनुप-पूर्वी क्षेत्र के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर, पटना
29. भाकृअनुप-पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्रों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर, बारापानी
30. भाकृअनुप-केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा
31. भाकृअनुप-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
32. भाकृअनुप-भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी
33. भाकृअनुप-भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची
34. भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान , बेंगलुरू
35. भाकृअनुप-भारतीय प्राकृतिक रेज़िन और गोद संस्थान, रांची
36. भाकृअनुप-भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर
37. भाकृअनुप-भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल
38. भाकृअनुप-भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कालीकट
39. भाकृअनुप-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
40. भाकृअनुप-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी

41. भाकृअनुप- राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद

42. भाकृअनुप- राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, रायपुर

43. भाकृअनुप- राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, मालेगांव, महाराश्ट्र

44. भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशु पोषण और कायिकी संस्थान, बेंगलुरू

45. भाकृअनुप- राष्ट्रीय जूट एवं संबद्ध रेशे प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, कोलकाता

46. भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान, हैब्बल, बेंगलुरू

47. भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

48. भाकृअनुप-विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा

49. भाकृअनुप- केन्द्रीय गोपशु अनुसंधान संस्थान, मेरठ

50. भाकृअनुप- राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान, भोपाल

51. भाकृअनुप-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

52. भाकृअनुप-केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी

53. भाकृअनुप- राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

54. भाकृअनुप-भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल

55. भाकृअनुप-भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम

56. भाकृअनुप-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद

57. भाकृअनुप-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद

58. भाकृअनुप-भारतीय तेलताड़ अनुसंधान संस्थान, पेडावेगी, पश्चिम गोदावरी

59. भाकृअनुप-भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुबनेश्वर

60. भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद

61. भाकृअनुप-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुबनेश्वर

62. भाकृअनुप-केन्द्रीय नींबू वर्गीय फल अनुसंधान संस्थान, नागपुर

राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र - 14

1. भाकृअनुप- राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र, त्रिची

2. भाकृअनुप- राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र, पुणे

3. भाकृअनुप- राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुजफ्फरपुर

4. भाकृअनुप- राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र, शोलापुर

5. भाकृअनुप- राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर

6. भाकृअनुप- राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र, हिसार

7. भाकृअनुप- राष्ट्रीय मांस अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद

8.. भाकृअनुप- राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केन्द्र, मेदजीफेमा, नगालैंड

9. भाकृअनुप- राष्ट्रीय आर्किड अनुसंधान केन्द्र, पेकयांग, सिक्किम

10. भाकृअनुप- राष्ट्रीय शूकर अनुसंधान केन्द्र, गुवाहाटी

11. भाकृअनुप- राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली

12. भाकृअनुप- राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर

13. भाकृअनुप- राष्ट्रीय याक अनुसंधान केन्द्र, वेस्ट केमंग

14. भाकृअनुप- राष्ट्रीय समन्वित नाशीजीव प्रबंधन केन्द्र, नई दिल्ली

<u>राष्ट्रीय ब्यूरो- 6</u>

1. भाकृअनुप-राष्ट्रीय पादप आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली

2. भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि के लिए महत्वपूर्ण सूक्ष्म जीव ब्यूरो, मऊ, उत्तर प्रदेष

3. भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि के लिए उपयोगी कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलुरू

4. भाकृअनुप-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर

5. भाकृअनुप-राष्ट्रीय पशु आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो, करनाल

6. भाकृअनुप-राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो, लखनऊ

<u>निदेशालय/प्रायोजना निदेशालय - 14</u>

1. भाकृअनुप-बीज अनुसंधान निदेशालय, मऊ

2. भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़

शिव कुमार सिंह

3. भाकृअनुप-सोयाबीन अनुसंधान निदेशालय, इंदौर

4. भाकृअनुप-तोरिया और सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर

5. भाकृअनुप-मशरूम अनुसंधान निदेशालय, सोलन

6. भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे

7. भाकृअनुप-काजू अनुसंधान निदेशालय, पुत्तुर

8.. भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद

9. भाकृअनुप-पुष्पोत्पादन अनुसंधान निदेशालय, पुणे

10. भाकृअनुप-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर

11. भाकृअनुप-खुर एवं मुहपका रोग प्रायोजना निदेशालय, मुक्तेश्वर

12. भाकृअनुप-कुक्कुट पालन अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद

13. भाकृअनुप-कृषि ज्ञान प्रबंध निदेशालय (डीकेएमए) , नई दिल्ली

14. भाकृअनुप-शीत जल मात्स्यिकी अनुसंधान

कृषि अनुसंधान संस्थान			
संक्षिप्त नाम	**पूरा नाम**	**स्थापना वर्ष**	**स्थान (राज्य)**
IAHVB	इन्स्टीट्यूट ऑफ एनिमल हस्बेण्ड्री एण्ड वैटनरी बायोलाजीकल्स	–	बंगलौर (आंध्र प्रदेश)
IARI	इण्डियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट	1905	नई दिल्ली (दिल्ली) 1945 के पूर्व पूरा बिहार में थी।
IASRI	इण्डिया एग्रीकल्चरल स्टोटिस्टिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट	1959	नई दिल्ली (दिल्ली)
ICAR-GOA	आई0सी0ए0आर0 कॉम्प्लेक्स फार गोआ	1982	गोवा (गोवा)
ICAR-NEH	आई0सी0ए0आर0 काम्प्लेक्स फॉर नार्थ इस्टर्न हिल रीजन्स	1975	बारापानी (मेघालय)
IFGTB	इंस्टीट्यूट ऑफ फारेस्ट जैनेटिक्स एण्ड ट्री ब्रीडिंग	–	शिलांग, कोयम्बटूर (तमिलनाडु)
IGFRI	इण्डियन ग्रासलैण्ड एण्ड फॉडर रिसर्च	1962	झॉसी (उ0प्र0)
IGSI	इण्डियन ग्रेन स्टोरेज इंस्टीट्यूट	–	हापुड़ (उ0प्र0)
IIFM	इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेन्ट	–	भोपाल (म0प्र0)
IIHR	इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चरल रिसर्च	1967	हैसरघट्टा, बंगलौर (कर्नाटक)
IIPR	इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ पल्स रिसर्च	1984	कानपुर (उ0प्र0)

शिव कुमार सिंह

IISR	इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ सुगरकेन रिसर्च	1952	लखनऊ(उ0प्र0)
ILRI	इण्डियन लाख रिसर्च इंस्टीट्यूट	1925	रॉची (झारखण्ड)
ISARD	इंस्टीट्यूट ऑफ स्टडीज ऑन एग्रीकल्चरल एण्ड रूरल डेवलपमेन्ट	–	धारवाड़ (कर्नाटक)
IVRI	इण्डियन वैटनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट	1984	इज्जत नगर (उ0प्र0)
IWST	इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी	–	बंगलौर (कर्नाटक)
JTRL	जूट टैक्नोलोजिकल रिसर्च लेबोरेटरी	1939	कोलकाता (प0बंगाल)
SBI	सुगरकेन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट	1912	कोयम्बटूर (तमिलनाडु)
VPKAS	विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान शाला	1985	अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)
WTCER	वॉटर टेक्नोलॉजी सेन्टर फॉर ईस्टर्न रीजन	1988	भुवनेश्वर (उड़ीसा)
PCHS	प्रोजेक्ट कार्डीनेटर होम साइंस	–	आई0सी0ए0आर0 कृषि अनुसंधान भवन, पूसा नई दिल्ली
IISR	इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पाइस रिसर्च	1975	कालीकट (केरल)
IIVR	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेलीटेविल रिसर्च	–	वाराणसी (उ0प्र0)
IISS	इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोसल साइंस	–	भोपाल (म0प्र0)

अन्तर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान

संक्षिप्त नाम	**पूरा नाम**	**स्थान/देश**	**स्थापना वर्ष**	**किससे सम्बन्धित**
CGIAR	कान्सल्टेटिव ग्रुप ऑन इन्टरनेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च	स0रा0 अमेरीका	1971	सामान्य कृषि विज्ञान अनुसंधान
CGPRT	कोर्स ग्रेन पल्स रूट ट्यूबर सेन्टर	बौगर (इण्डोनेशिया)	–	मोटे अनाज, दलहन, जड़कंद फसलें
CIAT	सैन्ट्रो इन्टरनेशनल दि एग्रीकल्चर ट्रीपिकल	कैली (कोलम्बिया)	1967	कसावा, वीन्स सुधार
CIMMYT	सैन्ट्रो इन्टरनेशनल दि मेजरोमेंटो दि मेजट्राइगो	एल बटान (मैक्सिको)	1966	ट्रिटीकेल्स, जौ, ज्वार
CIP	इन्टरनेशनल सेन्टर फॉर पोटैटो	लिमा (पेरू)	1971	आलू
IBPGR	इन्टरनेशनल बोर्ड ऑफ प्लान्ट जैनेटिक रिसोर्सिज	रोम (इटली)	1974	जड़ एवं कंद फसलों का संग्रह, कृषि एवं वानिकी के लिए प्लांट जैनेटिक रिसर्च
ICARDA	इन्टरनेशनल सेन्टर फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च इन ड्राई एरियाज	एलेफो (सीरिया)	1976	गेंहूँ, जौ, मसूर
ICGEB	इन्टरनेशनल सेन्टर फॉर जैनेटिक इंजीनियरिंग एण्ड बायो टैक्नोलॉजी	नई दिल्ली (भारत)	–	आनुवंशिकता एवं जैव प्रौद्योगिकी
ICRISAT	इन्टरनेशनल क्रॉप रिसर्च	पटनचेरू,	1972	ज्वार, बाजरा,

	इन्टीट्यूट फॉर दि सेनी एरिड ट्रॉपिक्स	हैदराबाद (भारत)		मूँगफली, चना, अरहर
IFPRI	इन्टरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इन्स्टीट्यूट	वाशिंगटन डी0सी0 (स0रा0 अमेरिका)	–	फूड पॉलिसी
IITA	इन्टरनेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ ट्रापीकल एग्रीकल्चर	इबादान (नाइजीरिया)	1968	ग्रेन लैग्यूम्स, जड़ एवं कंद फसलें
ILCA	इन्टरनेशनल लाइव स्टॉक सेन्टर ऑफ अफ्रीका	आदिस अबाबा (इथोपिया)	1974	पशुधन विकास
IIRAD	इन्टरनेशनल लैबोरेटरी फॉर रिसर्च ऑन एनीमल	नैरोबी (केन्या)	1973	पशुओं की बीमारी से
IRRI	इन्टरनेशनल राइस रिसर्च इन्स्टीट्यूट	लॉस बेनास फिलीपीन्स	1960	धान अनुसंधान
ISNAR	इन्टरनेशनल सर्विस फॉर नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च	हेग (नीदरलैण्ड)	–	–
WARDA	वैस्ट अफ्रीकन राइस डेवलपमेन्ट एसोसिएशन	मौनरोविया (लाइबेरिया)	1971	धान के विकास

कृषि से सम्बन्धित अन्य प्रमुख संस्थान

नाम	मुख्यालय
निर्यात निरीक्षण परिषद	नई दिल्ली, 1963 स्थापित
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान	नई दिल्ली
भारतीय पैकेजिंग संस्थान	मुम्बई
समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण	कोच्चि, 20 अप्रैल, 1972 स्थापित
कृषि एवं संसाधित खाद्य सामग्री निर्यात विकास प्राधिकरण	नई दिल्ली, 1986 स्थापित

भारत में चलाये जा रहे ग्रामीण विकास योजना

ग्रामीण विकास कार्यक्रम	**प्रारम्भ का वर्ष**	**प्रारम्भ करने वाले का नाम**	**विशेषताएँ**
आदर्श ग्राम योजना	1903	सर डेनियल हेमिल्टन	❖ मद्रास के निकट सुन्दरम् ग्राम में प्रारम्भ ❖ 1916 में सहकारी जमा संस्था की स्थापना हुई। ❖ यह योजना ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवकों, कृषकों को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रारम्भ हुई।

श्रीनिकेतन योजना	1920	रविन्द्र नाथ टैगोर	❖ पश्चिम बंगाल के श्रीनेकतन में प्रारम्भ हुई। ❖ यह प्रति व्यक्ति केन्द्रित योजना थी।
गुड़गॉव योजना	1920	एफ0एल0 ब्रेनी	❖ महाराष्ट्र के गुड़गॉव जिले में प्रारम्भ। ❖ ग्रामोत्थान हेतु चलायी गयी योजना।
सेवाग्राम योजना	1920	महात्मा गॉधी	❖ यह वर्धा नामक ग्राम से प्रारम्भ हुई। ❖ इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु महात्मा गॉधी ने निम्न संघों की स्थापना की– 1– भारतीय ग्रामोद्योग संघ। 2–हिन्दुस्तानी तामील संघ। 3–ऑल इण्डिया स्पाइनर्स एसोसिएशन। 4–कस्तूरबा गॉधी संघ।
अधिक अन्न उपजाऊ अभियान	1942	राज्य सरकार द्वारा	❖ इसका मुख्य उद्देश्य अन्न की कमी को दूर करने को था। ❖ सामुदायिक विकास कार्यक्रम के क्रियान्वयन में मुख्य भूमिका एवं प्रेरणा अधिक अन्न उपजाऊ अभियान की ही थी।
इण्डियन विलेज सर्विस	1945	डब्ल्यू0एच0 विशर	❖ उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के अगसौली नामक स्थान से प्रारम्भ है। ❖ इसका दूसरा केन्द्र मेहरारा (उत्तर प्रदेश के एटा जिले में) 1968 में खोला गया।
मारथेण्डम् योजना	1928	डॉ0 स्पेन्सर हैच	❖ केरल प्रान्त के त्रिवेन्द्रम् के निकट मारथेण्डम् ग्राम से प्रारम्भ। ❖ यह ग्राम विकास योजना थी।
नालीखेड़ी परियोजना	1948	एस0के0 डे	❖ यह परियोजना पाकिस्तान से आये लोगों के विकास के लिए बनायी गयी थी। ❖ कर्नाल और कुरूक्षेत्र के लगभग 100 एकड़ जमीन का उपयोग करके इसको प्रारम्भ किया गया। ❖ इस योजना का नाम मजदूर मंजिल था।

सामुदायिक विकास कार्यक्रम	02 अक्टूबर, 1952	डगलस, एन्सीमगर, चेस्टर बाउल्स	❖ योजना का मुख्य उद्देश्य सहकारिता एवं स्वयं सहायता थी।
सघन कृषि विकास कार्यक्रम	1959–60	––	❖ कृषि के सघन विकास हेतु यह योजना चलायी गयी।
कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम	1974–75	भारत सरकार द्वारा	❖ देश की चुनी हुई बड़ी और छोटी परियोजनाओं की सिंचाई क्षमता का विस्तार करना।
सूखा आशंकित क्षेत्र कार्यक्रम	1973	भारत सरकार द्वारा	❖ इस योजना को वर्तमान वॉटरशेड विकास कार्यक्रम में शामिल कर लिया गया है।
मरूभूमि विकास कार्यक्रम	1977–78	भारत सरकार द्वारा	❖ यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा चलाया जा रहा है। ❖ मरूभूमि को बढ़ने से रोकने, मरूभूमि में सूखे के प्रभाव को कम करने के लिए, भूमि की उत्पादकता बढ़ाने, जल–संसाधनों को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रारम्भ हुई।
कुटीर ज्योति कार्यक्रम	1988–89	भारत सरकार द्वारा	❖ हरिजन और आदिवासी लोगों सहित गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर को सुधारने हेतु चलाया गया।
सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना	23 दिसम्बर, 1993	भारत सरकार द्वारा	❖ सांसदों द्वारा अपने संसदीय क्षेत्र के विकास हेतु यह कार्यक्रम चलाया गया।
प्रधानमंत्री रोजगार योजना	02 अक्टूबर, 1993	भारत सरकार द्वारा	❖ आठवीं पंचवर्षीय योजना में प्रारम्भ। ❖ शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए यह कार्यक्रम चलाया गया, जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष के बीच हो। ❖ इस योजना का कार्यान्वयन उद्योग मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।
हरियाली परियोजना	27 जनवरी, 2003	केन्द्र सरकार द्वारा	❖ जल–संग्रहण से सम्बन्धित विकास योजना। ❖ वर्षा जल का संचयन करना, पेयजल समस्या का निवारण करना। ❖ यह ग्रामीण विकास मंत्रालय

			द्वारा चलाया जा रहा है।
विशेष कृषि ऊपज योजना	31 अगस्त, 2004	केन्द्र सरकार द्वारा	❖ 2004–09 के लिए घोषित योजना। ❖ यह उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करता है।
ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाओं के प्रावधान की योजना (PURA)	15 अगस्त, 2003	केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा	❖ ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार करना। ❖ श्री अब्दुल कलाम द्वारा ली गयी अवधारणा।
भारत निर्माण कार्यक्रम	2005–06	केन्द्र सरकार द्वारा	❖ यह मुख्यतः 06 क्षेत्रों के विकास पर जोर देता है। 1– सिंचाई, 2– सड़क, 3– आवास, 4– पेयजल, 5– विद्युतीकरण 6– दूरसंचार ❖ प्रत्येक गॉव में कृषि विज्ञान केन्द्र खोलने की घोषणा।
पंचधारा योजना	01 नवम्बर, 1991	मध्य प्रदेश सरकार द्वारा	❖ ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों की महिलाओं के कल्याण व विकास हेतु प्रारम्भ।
अपनी बेटी अपना धन योजना	02 अक्टूबर, 1994	हरियाणा सरकार द्वारा	❖ बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से प्रारम्भ।
कामधेनु योजना	–	महाराष्ट्र सरकार द्वारा	❖ इस योजना के तहत अपंग परित्यक्ता व निराधार महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।
महिला समृद्धि योजना	02 अक्टूबर, 1993	केन्द्र सरकार द्वारा	❖ इस योजना का लक्ष्य ग्रामीण प्रौढ़ महिलाओं को आय की बचत हेतु प्रारम्भ करना।
महिला स्वयं सिद्धा योजना	2001	केन्द्र सरकार द्वारा	❖ पूर्व में संचालित इन्द्रा महिला योजना और महिला समृद्धि योजना के स्थान पर इसका क्रियान्वयन किया जा रहा है। ❖ महिलाओं का समाजिक व आर्थिक विकास करना।
स्वाधार योजना	2000–01	–	❖ निराश्रित महिलाओं को समग्र व समन्वित सहायता प्रदान करना।

भारत की मृदाऍं एक दृष्टि में

मृदाएँ	वितरण क्षेत्र	प्रमुख फसलें	पोषक तत्वों का अभाव	पोषक तत्वों की प्रचुरता	विस्तार
जलोढ़ मृदा (भारत में सर्वाधिक क्षेत्रों पर विस्तार)	सिंधु गंगा, ब्रम्हपुत्र का द्वाब एवं समुद्रतटीय भाग	धान, गेंहूँ, आलू आदि	नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं जीवांश पदार्थ की कमी	पोटाश एवं चूने की अधिकता	15 लाख वर्ग कि0मी0 (43.40 प्रतिशत)
काली मृदा (इसे काली कपास मृदा भी कहा जाता है)	महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व तमिलनाडु के कुछ भाग	कपास, सोयाबीन, चना इत्यादि	फास्फोरस, नाइट्रोजन एवं जैविक पदार्थ	चूना, लोहा, पोटैशियम, मैग्नीशियम, एल्युमिनियम	5.40 लाख वर्ग कि0मी0 (15.20 प्रतिशत)
लाल मृदा	तमिलनाडु, कर्नाटक, उड़ीसा, महाराष्ट्र	तम्बाकू व मोटे अनाज	फास्फोरस, नाइट्रोजन एवं जैविक पदार्थ	लोहे की प्रचुरता	6.10 लाख वर्ग कि0मी0 (18.60 प्रतिशत)
लैटेराइट मृदा	कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, असम, उड़ीसा आदि	चाय, कॉफी, रबर, सिनकोना, काजू	फास्फोरस, नाइट्रोजन एवं जैविक पदार्थ	लोहे एवं एल्युमिनियम की प्रचुरता	1.26 लाख वर्ग कि0मी0 (3.70 प्रतिशत)

मिट्टी से सम्बन्धित ध्यान देने योग्य बातें

- ✓ पिडोजेनेसिस (Pedojenesis)– मृदा निर्माण का अध्ययन।
- ✓ क्राप लॉगिन– फसल उत्पादन हेतु पौधों की पोषक आवश्यकताओं को जानने हेतु किया जाने वाला परीक्षण।
- ✓ काली मृदा का निर्माण होता है– **बेसाल्ट चट्टानों के विघटन एवं वियोजन से।**
- ✓ बांगर एवं खादर मृदा, **जलोढ़ मृदा** के ही भाग हैं।
- ✓ **बांगर मृदा**–पुरानी जलोढ़ मृदा।
- ✓ **खादर मृदा**–नवीन जलोढ़ मृदा।
- ✓ लैटेराइट मृदा का निर्माण होता है–**आर्द्र एवं शुष्क मौसम के क्रमिक परिवर्तन से।**
- ✓ लाल मृदा का निर्माण होता है– **ग्रेनाइट, नीस, शिष्ट जैसी चट्टानों के विघटन तथा वियोजन से।**
- ✓ **उत्तर प्रदेश में** उसर मृदाओं का क्षेत्रफल सबसे अधिक है– **1.2 मिलियन हेक्टेयर**
- ✓ केन्द्रीय मृदा संरक्षण बोर्ड की स्थापना हुई– **1953 में**
- ✓ **01 हेक्टेयर** = 2.47 एकड़
- ✓ काली मृदा को **रेंगुर** मृदा के नाम से भी जाना जाता है।
- ✓ **क्लोरोफिल** की संरचना में पाया जाता है– **मैग्नीशियम।**
- ✓ दलहनी फसलों के उत्पादन हेतु **कोबाल्ट** की आवश्यकता होती है।
- ✓ **फास्फोरस** आवश्यक है– **पादप में रोग एवं कीटाणुओं के प्रति अवरोधक क्षमता बढ़ाने में।**

✓ वायुमण्डल के नाइट्रोजन का स्थिरीकरण न करने वाली दलहनी फसल है– **राज्मा**

मृदा के संगठन के 04 प्रमुख अवयव

ह्यूमस/कार्बनिक पदार्थ	5%
खनिज पदार्थ	45%
मृदा जल	25%
मृदा वायु	25%

✓ मृदा में **कार्बन एवं नाइट्रोजन** का अनुपात होता है– **10:1 या 12:1**

झूम खेती के विविध नाम	
बीरा, दहिया, पेड़ा, डीपी	मध्य प्रदेश
पोडू	आंध्र प्रदेश
पोनम	केरल

✓ कृषि में प्रयुक्त होने वाले हरे खाद– सनई, ढैंचा, उर्द, मून, लोबिया आदि।

✓ जैव गैस–इसमें मुख्यतः 50–60 प्रतिशत मीथेन, 30–40 प्रतिशत कार्बनडाई ऑक्साइड, 6–10 प्रतिशत हाइड्रोजन, 1–2 प्रतिशत नाइट्रोजन होती है।

नोट :– मीथेन निम्न स्त्रोतों से उत्पन्न होती है–

1. दलदली क्षेत्रों से।

2. जुगाली करने वाले जानवरों से।

3. धान के खेतों से।

✓ **जैव उर्वरक**–

1. **नील हरित शैवाल**–यह धान के फसलों के लिए उपयुक्त होता है। यह नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करता है।
2. **अजोला–** धान की फसलों के लिए उपयुक्त यह एक फर्न है, जिसका प्रयोग दक्षिणी–पूर्व के देशों, जैसे–थाईलैण्ड, वियतनाम इत्यादि में भी किया जाता है। इसकी नाइट्रोजन स्थिरीकरण क्षमता नील हरित शैवाल से अधिक होती है।
3. **एजोटोबैक्टर–** इनका प्रयोग खाद्यान, तिलहन, सब्जियों की फसलों तथा बागवानी फलों में किया जाता है।
4. **राइजोबियम–** दलहनी फसलों के लिए उपयुक्त।

विभिन्न फलों /फसलों में रंग/स्वाद का कारण
टमाटर मे लाल रंग - लाइकोपिन
आँवले मे कसैलापन - टैनिन
बादाम मे कड़ुवाहट - एमाइलेडिन
पपीता मे पीला रँग - केरिक्जेन्थिन
मिर्च मे चरपराहाट - केप्सेसिन
खीरे मे कड़ुवाहट - कुकुर बिटेसिन
करेले मे कड़ुवाहट - मेमोर्डिकोसाइट
प्याज मे लाल रंग - एन्थोसाइनिन
प्याज मे पीला रंग - क्वेरसिटीन

हल्दी मे पीला रंग -	कुरकुमिन
गाजर मे नारँगी रंग -	कैरोटिन
बेल मे कड़ुवाहट -	मार्मोलोत्सिन
पीपर मे कड़ुवाहट -	ओलिमोरेसिन
मूली मे तीखापन -	आइसोसाइनेट
शलजम मे चरपराहट -	कैल्शियम ऑक्सलेट
पीपर मे गंध -	ओलियोरेसिन
आलू मे हरा रंग -	सोलेनिन
मिर्च मे लाल रंग -	कैप्सेनथिन
गाजर मे लाल रंग -	एन्थोसायनिन
तिलहनों के तेल मे पीला रंग -	कैराटिनाइज्ड

शिव कुमार सिंह

हमारा उद्देश्य उन सभी Students तक Study Material उपलब्ध करवाना है जो Competitive Exam की तैयारी कर रहे हैं ...

हमारी website

www.missionsuccess.biz

पर आपको सभी विषयों के notes की PDF File मिलेगी

हमने सिर्फ Facebook पर उपलब्ध Study Material को थोड़ा system से उपलब्ध कराने की कोशिश की है फिर भी इससे किसी पालिसी का उलंघन होता हो तो हमे बताइये ताकि हम link को हटा सकें.... contact At gmail id **nacheez1998@gmail.com**

Notes का पूरा श्रेय Notes लिखने वाले व्यक्ति को जाता है.

www.competitiveexams.net